

正誤表(1)

工事名)北陸自動車道 R4上越管内舗装補修工事

修正箇所  
特記仕様書  
P42

誤

正誤区分

25-19-7 支 払

定着部補強材取付工の支払は、前項の規定に従って検測された数量に対し、1㎡当たりの契約単価で行うものとする。この契約単価には、設計図書及び監督員の指示に従って行うPC鉛直鋼棒位置調査、プライマーの塗布、不陸調整、アラミド等方シートの製作、取付、けい砂散布、廃材処理・運搬等定着部補強材取付工の施工に必要な材料・労力・機械器具損料等本工事を完成するために必要な費用で諸経費に含まれるものを除くすべての費用を含むものとする。

単価表の項目

特- (2) 定着部補強材取付工

定着部補強材取付工A (R)

検測の単位

㎡

25-20 防護柵補強工

25-20-1 定 義

防護柵補強工とは、設計図書及び監督員の指示に従って、既存構造物の上流側に設置されている既存ガードレールの補強を目的に、ガードレール支柱を1m間隔に確保するため、新規にガードレール支柱を設置するもの。

25-20-2 種 別

防護柵補強工の単価表の項目の種別は、次のとおりとする。

| 単価表の項目    | 区 分 内 容                                                                          |
|-----------|----------------------------------------------------------------------------------|
| 支柱設置工A    | 橋梁のコンクリート壁高欄の上流側に擦りつく既存ガードレール (Gr-A-4EまたはGr-A-2E)において、ガードレール支柱を根入れ深さ1800mmで建込むもの |
| ブラケット設置工A | 支柱設置後に既存レールの孔開けを行い、4.5×70×31×300のブラケットを接続するもの                                    |

25-20-3 材 料

支柱設置工及びブラケット設置工に使用する材料は、「土木工事共通仕様書15-3-3材料(1)-1)、3)」によるものとする。

25-20-4 施 工

支柱設置工及びブラケット設置工の施工は、「土木工事共通仕様書15-3-4防錆処理、15-3-5施工」によるものとする。

また、支柱の建て込みにおいては着手前に架空線の有無を確認し、その結果を監督員に報告後、施工を行うものとする。

25-20-5 数量の検測

(1) 支柱設置工の数量の検測は、設計数量(本)で行うものとする。

(2) ブラケット設置工の数量の検測は、設計数量(基)で行うものとする。

42

正

25-19-7 支 払

定着部補強材取付工の支払は、前項の規定に従って検測された数量に対し、1㎡当たりの契約単価で行うものとする。この契約単価には、設計図書及び監督員の指示に従って行うPC鉛直鋼棒位置調査、プライマーの塗布、不陸調整、アラミド等方シートの製作、取付、けい砂散布、廃材処理・運搬等定着部補強材取付工の施工に必要な材料・労力・機械器具損料等本工事を完成するために必要な費用で諸経費に含まれるものを除くすべての費用を含むものとする。

単価表の項目

特- (2) 定着部補強材取付工

定着部補強材取付工A (R)

検測の単位

㎡

25-20 防護柵補強工

25-20-1 定 義

防護柵補強工とは、設計図書及び監督員の指示に従って、既存構造物の上流側に設置されている既存ガードレールの補強を目的に、ガードレール支柱を1m間隔に確保するため、新規にガードレール支柱を設置するもの。

25-20-2 種 別

防護柵補強工の単価表の項目の種別は、次のとおりとする。

| 単価表の項目    | 区 分 内 容                                                                          |
|-----------|----------------------------------------------------------------------------------|
| 支柱設置工A    | 橋梁のコンクリート壁高欄の上流側に擦りつく既存ガードレール (Gr-A-4EまたはGr-A-2E)において、ガードレール支柱を根入れ深さ1800mmで建込むもの |
| ブラケット設置工A | 支柱設置後に既存レールの孔開けを行い、6×120×31×300の耐雪型ブラケットを接続するもの                                  |

25-20-3 材 料

支柱設置工及びブラケット設置工に使用する材料は、「土木工事共通仕様書15-3-3材料(1)-1)、3)」によるものとする。

25-20-4 施 工

支柱設置工及びブラケット設置工の施工は、「土木工事共通仕様書15-3-4防錆処理、15-3-5施工」によるものとする。

また、支柱の建て込みにおいては着手前に架空線の有無を確認し、その結果を監督員に報告後、施工を行うものとする。

25-20-5 数量の検測

(1) 支柱設置工の数量の検測は、設計数量(本)で行うものとする。

(2) ブラケット設置工の数量の検測は、設計数量(基)で行うものとする。

42

## 正誤表(2)

工事名)北陸自動車道 R4上越管内舗装補修工事

修正箇所  
設計図  
3/173

正誤区分

3 / 173

数量表(2/4)

| 図面<br>名称 | 区別 | 工事<br>内容 | 上下<br>区分 | 単位 | 数量 | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2-10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|----------|----|----------|----------|----|----|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|----------|----|----------|----------|----|----|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

正誤表(3)

工事名)北陸自動車道 R4上越管内舗装補修工事

| 修正箇所          |   | 正誤区分                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|---------------|---|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 設計図<br>62／173 | 誤 | <div>62 / 173</div> <div>標準横断面図(3)</div> <div>笹川橋 (H2-1、H2-2)</div> <div></div> <div>親不知海岸高架橋 (H2-9)</div> <div></div> <div>北陸自動車道<br/>R4上越管内舗装補修工事</div> <div>図面の種類<br/>標準横断面図(3)</div> <div>図面コード<br/>—</div> <div>図面番号<br/>—</div> <div>事務所名<br/>東日本高速道路株式会社<br/>新潟支社 上越管理事務所</div> |
|               | 正 | <div>62 / 173</div> <div>標準横断面図(3)</div> <div>笹川橋 (H2-1、H2-2)</div> <div></div> <div>親不知海岸高架橋 (H2-9)</div> <div></div> <div>北陸自動車道<br/>R4上越管内舗装補修工事</div> <div>図面の種類<br/>標準横断面図(3)</div> <div>図面コード<br/>—</div> <div>図面番号<br/>—</div> <div>事務所名<br/>東日本高速道路株式会社<br/>新潟支社 上越管理事務所</div> |

正誤表(4)

工事名)北陸自動車道 R4上越管内舗装補修工事

修正箇所  
設計図  
63 / 173

正誤区分

63 / 173

標準横断面図 (4)

木浦川橋 (H2-21, H2-22)

上平高架橋 (H1-30, H1-31)

|                        |                             |
|------------------------|-----------------------------|
| 北陸自動車道<br>R4上越管内舗装補修工事 |                             |
| 図面の種類                  | 標準横断面図 (4)                  |
| 図面縮尺                   | — 図面番号 —                    |
| 事務所名                   | 東日本高速道路株式会社<br>新潟支社 上越管理事務所 |

誤

標準横断面図 (4)

木浦川橋 (H2-21, H2-22)

上平高架橋 (H1-30, H1-31)

|                        |                             |
|------------------------|-----------------------------|
| 北陸自動車道<br>R4上越管内舗装補修工事 |                             |
| 図面の種類                  | 標準横断面図 (4)                  |
| 図面縮尺                   | — 図面番号 —                    |
| 事務所名                   | 東日本高速道路株式会社<br>新潟支社 上越管理事務所 |

正

### 正誤表(5)

工事名)北陸自動車道 R4上越管内舗装補修工事

修正箇所  
設計図  
71 / 173

正誤区分

誤

71 / 173

### 防護柵補強工 支柱設置工 A

縮尺1 : 50

#### ブラケット構造図

縮尺1 : 10

22×50長孔  
2-22×28長孔

ブラケット取付用ボルトφ=1/3  
M20×170

既設

Gr-A-4E      Gr-A-2E      Gr-A-BJ (3)

2@2000=4000      8@1000=8000

既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱

支柱設置工 A  
支柱：φ139.8×4.5 L=2500

※特記事項  
・この図面は標準図のため、現地調査によって変更が生じる場合がある。

|             |                |
|-------------|----------------|
| 北 陸 自 動 車 道 |                |
| R4上越管内線延伸工事 |                |
| 図面の種類       | 防護柵補強工 支柱設置工 A |
| 図面縮尺        | 縮小    図面番号     |
| 設計会社名       | 東日本高速道路株式会社    |
| 事務所名        | 新潟支社 上越管理事務所   |

正

71 / 173

### 防護柵補強工 支柱設置工 A

縮尺1 : 50

#### ブラケット構造図

(耐雪型) 縮尺1 : 10

22×50長孔  
2-22×28長孔

ブラケット取付用ボルトφ=1/3  
M20×170

既設

Gr-A-4E      Gr-A-2E      Gr-A-BJ (3)

2@2000=4000      8@1000=8000

既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱      既設支柱

支柱設置工 A  
支柱：φ139.8×4.5 L=2500

※特記事項  
・この図面は標準図のため、現地調査によって変更が生じる場合がある。

|             |                |
|-------------|----------------|
| 北 陸 自 動 車 道 |                |
| R4上越管内線延伸工事 |                |
| 図面の種類       | 防護柵補強工 支柱設置工 A |
| 図面縮尺        | 縮小    図面番号     |
| 設計会社名       | 東日本高速道路株式会社    |
| 事務所名        | 新潟支社 上越管理事務所   |

### 正誤表(6)

工事名)北陸自動車道 R4上越管内舗装補修工事

修正箇所  
設計図  
84/173

正誤区分

84/173

防護柵補強工 平面図 (11)

誤

図面番号: 84/173

図面備考: 東日本鉄道建設株式会社 鉄道局 土木部 建設課

正

図面番号: 84/173

図面備考: 東日本鉄道建設株式会社 鉄道局 土木部 建設課

正誤表(7)

工事名)北陸自動車道 R4上越管内舗装補修工事

| 修正箇所          |   | 正誤区分                                          |
|---------------|---|-----------------------------------------------|
| 設計図<br>89／173 | 誤 | <div>防護柵補強工 平面図（16）</div> <div>89 / 173</div> |
|               | 正 | <div>防護柵補強工 平面図（16）</div> <div>89 / 173</div> |